|| Guru Pranati ||

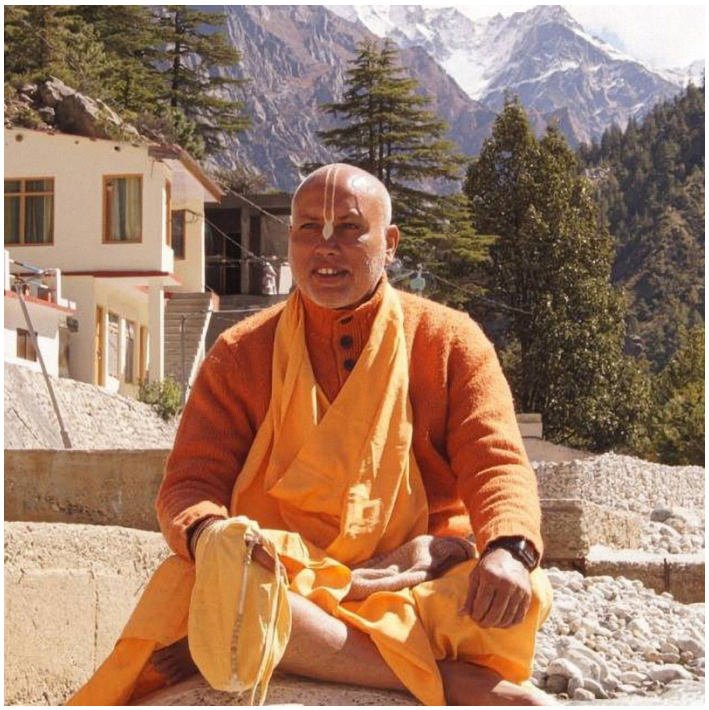

नमः ॐ विष्णुपादाय कृष्णप्रेष्ठाय भूतले |

श्रीमते भक्तयाश्रय वैष्णव स्वामीनिति नामिने ||

मैं परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज को दण्डवत् प्रणाम करता हूँ, जिन्होंने भगवान श्री कृष्ण के चरण कमलों में शरण ग्रहण की है और जो भगवान को अति प्रिय हैं।

namah om vishnupadaya krsnapresthaya bhu-tale

srimate bhakti ashraya vaisnava swamin iti namine

I offer my respectful obeisances unto His Holiness Bhakti Ashraya Vaisnava Swami Maharaja, who is very dear to Lord Krishna, having taken shelter of His lotus feet.

नमः ॐ विष्णुपादाय कृष्णप्रेष्ठाय भूतले |

श्रीमते गोपाल कृष्ण गोस्वामीनिति नामिने ||

मैं परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज को दण्डवत् प्रणाम करता हूँ, जिन्होंने भगवान श्री कृष्ण के चरण कमलों में शरण ग्रहण की है और जो भगवान को अति प्रिय हैं।

namah om vishnupadaya krsnapresthaya bhu-tale

srimate gopala krsna goswamin iti namine

I offer my respectful obeisances unto His Holiness Gopala Krishna Goswami Maharaja, who is very dear to Lord Krishna, having taken shelter of His lotus feet.

प्रभुपादस्य साहित्यं यः प्रकाशय वितिर्यं च |

प्रचारम् कृत्वान साधु भगवत पादाय ते नमः ||

हे गुरुदेव, हम आपको सादर प्रणाम करते हैं, आप कृष्ण कृपामूर्ति अभय चरणारविंद भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के दिव्य साहित्य को प्रकाशित और लगातार वितरित कर रहे हैं और उनके संदेश का प्रचार कर रहे हैं।

prabhupadasya sahityam yah prakasya vitirya ca

pracaram krtavana sadhu bhagavatpadaya te namah

Our respectful obeisances are unto you, O spiritual master, you are publishing and constantly distributing the transcendental literature of His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada and preaching his message.